अध्याय -15

भारतीय नृत्य

चलू अपन नृत्य यात्रा शुरू करू। अपन नृत्यक घण्टी पहिरबाक लेल तैयार भऽ जाउ आ नृत्यक दुनियामे गोता लगाउ!

हमर भूमिक नृत्य: स्थानीय लय आ आन्दोलनक अन्वेषण

ई अध्याय ओहि महान नृत्य रूपक खोजक विषयमे अछि जे हमर देशकेँ रङ्गीन आ जीवन्त बनबैत अछि।

आउ अहाँक आसपासमे उपस्थित नृत्य रूपसभ पर बारीकी सँ नजरि देब।

एहि गतिविधिमे अहाँ ओहि नृत्यक खोज करय जा रहल छी जे अहाँक क्षेत्रक अछि। समृद्ध पारम्परिक लोक नृत्यसँ लऽ कऽ स्थानीय उत्सवक ऊर्जावान ताल धरि ई नृत्य हमर समाजमे गहींर रूपसँ निहित अछि।

अहाँक क्षेत्रक भावनाकेँ प्रदर्शित करयबला नृत्य रूपक खोज करबाक लेल तैयार भऽ जाउ, आ नृत्य स्थलकेँ लय आ आनन्दसँ जीवन्त करू!

0680CH15

गतिविधि 1: क्षेत्रीय नृत्य केर अन्वेषण करब

अपन क्षेत्रक विभिन्न क्षेत्रीय नृत्यक नाम सूचीबद्ध करू। अपन मित्र, माता-पिता आ शिक्षकसँ एहि पर चर्चा करू।

कोनो क्षेत्रीय नृत्य चुनु आ स्थानीय कलाकारसभसँ भेँट करबाक लेल क्षेत्र यात्रा करू। अहाँ हुनकर वीडियो सेहो देख सकैत छी। यदि संभव हुए तऽ हुनका लोकनिक सङ्ग एकटा छोट कार्यशाला आयोजित करू, आ स्थानीय नृत्य रूप के पाछू के विचार आ उद्देश्य के पता लगाउ।

मुद्रा, हावभाव आ ओकर सुन्दर चालि सीखबाक प्रयास करू।

एहि तरहेँ अहाँ अपन क्षेत्रीय नृत्य रूपक एकटा रोमाञ्चक यात्रा कऽ सकैत छी।

© NCERT not to be republished

गुजरात सँ गरबा नृत्य

तबला

ढोल

डाण्डिया स्टिक्स

नृत्यक शानदार घुमाव, सुन्दर मोड़, भव्य गति, सुन्दर कदम, रङ्गीन वेशभूषा आ कैथर्टिक भावनाक अवलोकन करू जे सकारात्मक ऊर्जाक मोटरी अछि।

उदाहरण

क्षेत्र यात्राक दौरान नृत्य रूपक अवलोकन दर्ज करबाक विधि।

गुजरात सँ गरबा नृत्य

A. परिचय

ई नृत्य रूप नवरात्रिक पाबनिमे कएल जाइत अछि जाहिमे देवी दुर्गाक पूजा कएल जाइत अछि। ई नृत्य सामुदायिक भावना आ एकजुटताक प्रदर्शनीक सङ्ग संस्कृति आ परम्पराक उत्सव थिक।

B. नृत्यक लक्षण

- जीवन्त आ ऊर्जावान गति।
- लयबद्ध थोपड़ी।
- सघन वृत्तमे घूमैत नर्तक द्वारा बनाओल गेल गोलाकार प्रतिरूप।

C. सङ्गत

- पारम्परिक लोक सङ्गीत।
- ढोल (ढोल), तबला आ डाण्डिया सन वाद्ययन्त्र।

D. वेशभूषा

- महिला के लेल चनिया चोलिस (गगरा)।
- पुरुषक लेल केडियु-कफनी (एक प्रकारक धोती आ कुर्ता)।

आन नृत्य रूपक अन्वेषण

एतय अहाँ हमर देशक आन क्षेत्रक स्थानीय नृत्य रूपक अन्वेषण करय जा रहल छी।

एहि नृत्य यात्रामे एकहि स्थानीय नृत्य रूप सीखबाक बदला अहाँ आन नृत्य रूपक सेहो अन्वेषण करब।

गतिविधि-2: नृत्यक विभिन्न रूप के अन्वेषण

आन क्षेत्रीय नृत्य रूपक वीडियो देखू।

बात मानि लियऽ न... एक सङ्ग बैसि आन क्षेत्रक नृत्यक सम्बन्धमे फलदायी चर्चा करू।

© NCERT not to be republished

राज्य	नृत्यक नाम	सङ्गत	वेशभूषा	नृत्यक अवसर
केरल	तिरुवथिर काली: स्त्रीगण द्वारा कएल जाइत अछि।	थोपड़ी क सङ्ग सुन्दर लयबद्ध नृत्य एकटा लोकगीत द्वारा समेटल जाइत अछि।	मुण्डू आ वेष्ठीक सरल केरल शैलीक वेशभूषा, पारम्परिक केरलक आभूषणक सङ्ग।	थ्रुवथिरा, शिवरात्रि, ओणम आ किछु आन पाबनिक अवसर पर।
ओडिशा	सैला: आदिवासी समुदाय द्वारा कएल जाइत अछि।	ढोल (बैरल आकारक ढोल), नगारा (केतली ड्रम) आ बाँसुरी।	रङ्गीन साड़ी आ धोती, आदिवासी गहनाक मोती, खोल आ धातुक गहना।	कृषि ऋतुक आरम्भमे चैत्र पर्व त्योहारक अवसर पर।
कश्मीर	रूफ: एकटा समूह मे महिला द्वारा कएल जाइत अछि।	तुम्बकनारी (एकटा छोट केतली ड्रम), रबाब (तार बला वाद्ययन्त्र) आ हारमोनियम।	कश्मीरी पोशाक फेरन (ढीला, लम्बा वस्त्र) रङ्गीन कढ़ाईवला पोशाक, गहना: झुमका, गर्दन रहित पोशाक आ चूड़ी।	ईद, बैसाखी आ नवरोजक सङ्ग-सङ्ग विवाह, फसल उत्सव आ अन्य सामाजिक समारोहक दौरान कएल जाइत अछि।

हमर देशक राज्यकेँ ओकर सम्बन्धित नृत्य रूपक सङ्ग सूचीबद्ध करू। किछु राज्यकेँ एतय चित्रणक रूपमे देखाओल गेल अछि।

अहाँ विभिन्न क्षेत्रक विभिन्न नृत्य रूपक जानकारीकेँ सारणीबद्ध रूपमे व्यवस्थित कऽ सकैत छी। अद्भुत! नीक केलहुँ। चलू अपन नृत्य यात्राक अगिला स्तर पर चलि जाउ।

© NCERT not to be republished

क्षेत्रीय नृत्य रूपक तुलना

अपन नृत्य यात्रामे अहाँकेँ बहुत रास स्थानीय नृत्य रूप भेटल होयत। उच्च स्तर पर जाउ, अपन क्षेत्रक स्थानीय नृत्य रूपक तुलना आन क्षेत्रक सङ्ग करू।

राज्य	नृत्यक नाम	सङ्गत	वेशभूषा	नृत्यक अवसर

© NCERT not to be republished

गतिविधि 3: क्षेत्रीय नाच रूप केर तुलना

क्षेत्रीय नाच रूप केर तुलना

मानू जे अहाँ राजस्थानक छी आ स्थानीय कालबेलिया नृत्य रूप चुनैत छी। आब एकर तुलना मेघालयक नोङ्क्रेम नृत्य नामक एकटा आओर स्थानीय नृत्यसँ करू।

एकटा तुलनात्मक चार्ट बनाबू जहिना नीच्चाँ देखाओल गेल अछि —

नृत्यक नाम	कालबेलिया	नोंगक्रेम
स्थिति	राजस्थान	मेघालय
वेशभूषा	महिलासभ देहक ऊपरी कपड़ा (अङ्गराखी), माथक कपड़ा (ओधनी) आ देहक निचला अङ्ग (लहङ्गा) पहिरैत छथि जाहिपर छोट-छोट शीशासँ कढ़ाई कएल जाइत अछि।	महिलासभ पारम्परिक वेशभूषा पहिरैत छथि जखन कि पुरुषसभकेँ प्रायः जीवन्त रङ्गसँ सजाओल जाइत अछि जाहिमे तलवार आ उज्जर याकक केश झनझनाहट रहैत अछि।
उद्देश्य	अनुष्ठानसँ जुड़ल, प्रायः पौराणिक कथाक चित्रण करैत अछि। होलीक दौरान विशेष नृत्य प्रस्तुत कएल जाइत अछि।	शरद ऋतुमे शक्तिशाली देवीकेँ प्रसन्न करबाक लेल लोकक भरपूर फसल आ समृद्धिक लेल मनाओल जाइत अछि।
कलाकारसभ	स्त्री द्वारा नृत्य आ पुरुष द्वारा गीत।	स्त्री आ पुरुष दुनू।
सङ्गत उपकरण	पारम्परिक लोक सङ्गीत आ वुडविंड वाद्ययन्त्र पुङ्गी, तालवाद्य दुफली, बीन आ खञ्जीराक सङ्ग छल।	सङ्गहि ढोल आ पवन वाद्ययन्त्र तगमुरी सहित पारम्परिक सङ्गीत सेहो अछि।

© NCERT not to be republished

नृत्य फार्म		
स्थिति		
वेशभूषा		
उद्देश्य		
कलाकार सभ		
सङ्गत		

© NCERT not to be republished

गतिविधि 4: नृत्य रूप पर परियोजना

की अहाँकेँ गतिविधि 1 मोन अछि, जतए स्थानीय नृत्य रूपक अध्ययनक लेल क्षेत्र भ्रमण आयोजित कएल गेल छल?

सम्बन्धित चित्र खींचि या साटिकऽ स्थानीय नृत्य रूप पर एकटा परियोजना तैयार करू।

एकटा लोकगीत (नृत्य सँ सम्बन्धित) चुनु आ ओकरा नोट करू। कोनो विशेष नृत्य रूपसँ सम्बन्धित गहनाक हस्तनिर्मित शिल्प मॉडल साटू।

अन्तमे, अपन परियोजना सभटा शिक्षक आ मित्रक समक्ष प्रस्तुत करू।

गतिविधि 5: प्रसिद्ध नटुआ पर लेख

अपन पसिन्नक प्रसिद्ध आधुनिक भारतीय नटुआ सभ पर एकटा संक्षिप्त टिप्पणी लिखू। रचनात्मक रूप सँ लिखू आ चित्र पेस्ट करू। एहि गतिविधिक सङ्ग प्रसिद्ध नर्तकीक चाल, मुद्रा आ हाव-भावक अनुकरण करबाक प्रयास करू।

© NCERT not to be republished